राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 28
वैम्पायर
रोमांचक विशेषांक

अजीबोगरीब रहस्यों से भरी इस दुनिया में जिन्दगी के भी कई रूप हैं।
एक तो वे जिन्दगियां, जो शरीर के सहारे जिन्दा रहती हैं...
पर कई जिन्दगियां, बगैर शरीर के भी जिन्दा रहती हैं। इनको आम भाषा में हम अति-मानवीय या भूत-प्रेत कहते हैं।
लेकिन कुछ जिन्दगी इसलिए नहीं खत्म होतीं, क्योंकि उनके शरीर खत्म नहीं होते; वे मनुष्यों का खून पीकर सैकड़ों, हजारों साल तक भी जिन्दा रह सकती हैं। ऐसी तरह की जिन्दगी जीते हैं...
कथा एवं चित्र अनुपम सिन्हा
वेम्पायर
सुपर कमांडो ध्रुव
यानि मनुष्यों का खून पीने वाले वे प्राणी, जो न तो जिन्दा हैं और न ही मुर्दा।
हा हा हा! हम वेम्पायर जिसका खून चख लेते हैं, उसे भी वेम्पायर बना देते हैं।
और अब हम तुझे भी बना देंगे...
मानवों के लहू पर जिन्दा रहने वाला... वेम्पायर ध्रुव!
सम्पादक: मनीष गुप्ता

एटॉमिक रिसर्च सेन्टर—
राजनगर की खूबसूरत इमारतों में से एक—
एटॉमिक रिसर्च सेंटर
रात को, हालांकि यहाँ पर काम करने वाले काफी कम होते हैं।
लेकिन फिर भी यहाँ पर काम कभी बंद नहीं होता।
चाहे वह काम अच्छा हो या बुरा—
अरे! वह सातवीं मंजिल से कूद गया!
लेकिन मैं इसको भागने नहीं दे सकता।
ढ़नाक
और फायर-स्केप की तरफ बढ़ रहा, भागने वाले का शरीर।
वर्ना मेरा रहस्य खुल जाएगा।
हवा में एक कातिलाना हाथ घूमा—
स्वांय
तड़ाक
आऽऽऽह!
कातिल मुस्कुराता हुआ, वापस पलट गया।
कड़ी सड़क की तरफ बढ़ने लगा।
उसका काम हो गया था—
तो वह इतना खुश नहीं होता।
अब नीचे जाकर यह पक्का करना होगा कि वह बचा या नहीं!
लेकिन अगर वह पलभर और रुककर आगे का दृश्य देख पाता—
?
क्योंकि वह दृश्य अनदेखा नहीं गया था—
वह वक्त ध्रुव की आदत का सबब था।
ओह! उस आदमी के सिर पर किसी कड़ी चीज से वार किया गया है!
उस चोट से तो शायद ये बच गया हो, लेकिन सड़क पर गिरकर कभी नहीं बचेगा!

मुझे इसे सड़क पर गिरने से रोकना होगा!
ध्रुव का हाथ, एक्सीलेटर पर पूरा घूम गया।
ध्रुव की स्पेशल मोटर साइकिल का पिक अप भी स्पेशल था।
दो सैकेण्ड में ही स्पीडोमीटर की सुई सत्तर को छू गई।
और स्पीड ब्रेकर से उछलकर...
... जब ध्रुव की मोटर-साइकिल ने...
... वापस सड़क को छुआ, तब मोटरसाइकिल पर दो सवार थे।
ओह! इसके सिर पर जिस चीज से भी वार किया गया है, उसने इसकी खोपड़ी को बुरी तरह से तोड़ डाला है!
कौन हो तुम? तुम पर हमला किसने किया? बताओ?
आ... जासूस! ... परमाणु... यंत्र! ब... बचा लो!
आह!

अरे, यह तो मर गया!
अफसोस... परमाणु यंत्र और फिर बचा लो! आखिर इसका मतलब क्या था?
क्योंकि उसे भगाने का मौका अभी तक नहीं मिला है।
सातवीं मंजिल की एक खिड़की टूटी हुई है!
यह स्टॉमिक रिसर्च सेंटर की बिल्डिंग से कूदा था!
कातिल भी अभी इमारत के अंदर ही होगा!
लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि...
मैं कातिल को पहचानूंगा कैसे?
रुको! वर्ना गोली मार दूंगा! तुम अन्दर कैसे...
अरे! ध्रुव साहब आप?
सुनो भाई! जब तक मैं न कहूं, तब तक किसी को भी इस इमारत से बाहर जाने मत देना!
ठीक है सर! आप कहते हैं तो ऐसा ही करूंगा!
आंधी तूफान की तरह उड़ता ध्रुव...
... सीधा सातवीं मंजिल पर टूटी खिड़की वाले कमरे पर जाकर रुका। लेकिन —
अरे! यह कमरा तो खाली है...
और हो सकता है कि वह मेरे सामने ही निकला हो!
और मैं उसे पहचान नहीं...
अरे! यह नीचे क्या हो रहा है?
हट, मेरे रास्ते से!
नहीं! आप अभी बाहर नहीं जा सकते!

और यह...
आऊ!
धड़ाक
इसकी आखिरी गलती...
साबित होगी।
तुम मुझ पर वार क्यों कर रहे हो?
मैंने क्या किया है?
तुमको बाहर जाने की इतनी जल्दी क्यों थी?
व... वो तो... हां! मैं देखने आ रहा था कि डॉक्टर भाखा को कितनी चोट लगी है!
और चौकीदार मुझे रोक रहा था!
तो तुम यह भी जानते हो कि कोई खिड़की से नीचे गिरा है! और वह डॉक्टर भाखा है!
इस हादसे को सिर्फ दो ही लोगों ने होते देखा है!
मैंने... और कातिल ने! और यह बात जान कर तुमने साबित कर दिया है कि वह कातिल तुम ही हो, मिस्टर जासूस!
जासूस!... शायद तू जरूरत से ज्यादा जान गया है, लड़के!
इसलिए तुझे भी मैं वही अंजाम दूंगा, जो मैंने भाखा को दिया है।
मौत का अंजाम!
तड़ाक
आह!
इसकी फुर्ती तो आश्चर्यजनक है! और किक भी बहुत तेज है!

अरे!
इसकी खोपड़ी तो स्टील की है...
और इस पर विग लगा है।
धाड़
इसलिए हम लोगों को दर्द का एहसास ही नहीं होता।
यह सच कह रहा है। मेरे इस वार से तो चीख उठना चाहिए था इसको।
धम्म
आश्चर्यचकित मत हो, लड़के!
हम लोगों के दिमाग से दर्द महसूस करने वाला हिस्सा आपरेशन करके निकाल दिया जाता है।
और 'स्टीलकैप' फिट कर दी जाती है।
क्या यहां पर इसके अलावा और जासूस...
आह!
मैं अब तेरी खोपड़ी का भी, भाला की खोपड़ी सा कचूमर निकाल दूंगा।
ओह! यह मुझ पर बूमरैंग से वार कर रहा है।
यह एक ऐसा हथियार है जो वार करने के बाद अपने मालिक के हाथों में वापस पहुंच जाता है।
सांय
और इसका एक ही वार, परलोक पहुंचाने के लिए काफी है।
लेकिन अब मैं इसकी दिशा जरा सी बदल सकूं...
...तो यह हाथ के बजाय जासूस के पैर पर पहुंच जाएगा।
अब बता, किन्तु किस देश का जासूस है?
खट
और मेरा काम यह बूमरैंग खुद ही कर देगा।
तू भूल गया लड़के!

... कि मुझे दर्द का एहसास नहीं होता है।
अब तक गार्ड होश में आ चुका था।
अरे! यह तो ध्रुव साहब पर कोई हमला कर रहा है।
मुझे ध्रुव साहब की मदद करनी चाहिए।
अबकी बार तू मेरे बूमरैंग के वार से अपनी खोपड़ी नहीं बचा सकता।
ध्रुव बूमरैंग के वार से कलाबाज़ी खाकर बच गया—
और बूमरैंग वापस अपने मालिक की तरफ बढ़ने लगा—
ठीक इसी पल—
...गार्ड की उंगली भी बंदूक की लिबलिबी पर दब गई।
धांय
गोली से बचने के लिए वह जासूस हवा में उछला—
धड़ाक
और पलटकर वापस आते बूमरैंग ने एक भीषण वार में उसकी खोपड़ी उड़ा दी।
दर्द का अहसास हो पाने से पहले ही।
...वह जासूस मर चुका था।
और उसके साथ ही सारे जवाब भी।
और फिर—
इस आदमी का असर जबाज़ी था, ध्रुव! अभी कुछ ही महीने पहले ही हमारे यहाँ आया था।
डायरेक्टर
रिसर्च स्कॉलर के रूप में!
हमको इस पर रत्ती भर भी शक नहीं था कि यह रिसर्च की आड़ में जासूसी कर रहा है।
इसकी तलाशी में ये कागज़ बरामद हुए हैं।
इस पर तो 'कोडवर्ड' में कुछ लिखा है।

हाँ! शायद ये इसी मैसेज को ट्रांसमीटर के जरिए कहीं भेज रहा था।
और इसी वक्त हमें आता देख इसने देख लिया होगा।
समझ गया! पर यह किस चीज की जासूसी कर रहा था?
यह टॉप सीक्रेट है! लेकिन तुमको यह बताने में कोई हर्ज नहीं है।
हम अब से आधे घंटे बाद... एक भूमिगत परमाणु परीक्षण करने जा रहे हैं।
लेकिन लगता है कि दुश्मन देश के जासूसों को इसकी भनक लग गई है... इसीलिए वे हमारे परमाणु यंत्र के पीछे पड़े हैं...
...क्योंकि इस परमाणु यंत्र की मदद से 'परमाणु बम' बनाने की क्षमता भी हासिल की जा सकती है।
अगर हमारे दुश्मनों ने परमाणु बम बना लिया तो हमारे देश की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।
ऐसा नहीं होगा, सर! मैं देश की सुरक्षा तक पहुंचने वाले दुश्मन हाथों को तोड़ कर रख दूंगा! यह परीक्षण कहाँ पर हो रहा है?
यहाँ से हजार किलोमीटर दूर...
...राजस्थान के पोखरन जिले में।
पोखरन में?
यह शब्द सुनते ही ध्रुव के दिमाग में —
तीन दिन पहले की घटनाएं घूमने लगीं।
रजनी, जल्दी से मेरे कपड़े पैक कर दो! मुझे कुछ दिनों के लिए बाहर जाना है।
बाहर?
अब कहाँ जाना है?
पोखरन!
यह कहाँ पर है?
राजस्थान में! हमारी सीमा से सटा हुआ एक छोटा सा शहर है। वहाँ पर दुश्मन देश के जासूसों की गतिविधियाँ बहुत बढ़ गई हैं...

आप तो एक बार पहले भी राजस्थान जा चुके हैं!
इसीलिए तो मुझे ही वहां पर भेजा जा रहा है। क्योंकि मैं उस क्षेत्र से अच्छी तरह वाकिफ हूँ!
क्या संयोग है, पापा!
देखो न! आपको भी राजस्थान जाना है, और मुझे भी!
तुझे? तुझे किसलिए जाना है?
ए! देखो भइया!! तुम बीच में मत बोलो!
इस बात से तुम्हारा कोई मतलब नहीं है!
फिर भी पता तो चले कि एकाएक आपको राजस्थान में कौन सा काम निकल आया?
हाँ, श्वेता! बता, क्या काम है, तुझको?
वो... वो 'टी-सीरीज' वाले हैं न! जो गानों की कैसेट बनाते हैं! उन लोगों ने मुझे एक कॉन्ट्रैक्ट दिया है!
कैसा कॉन्ट्रैक्ट?
वो... राजस्थान के लोकगीतों की एक नई कैसेट बनाने का कॉन्ट्रैक्ट!
हा हा हा हा हा! गानों की कैसेट बनाएगी तू?
तुझे 'सा रे गा मा' पूरा आता भी या नहीं? हा हा हा!
तुम ये राक्षस की तरह हँसना...
...और बीच में टांग अड़ाना बन्द करो! मैं पापा से बात कर रही हूँ न!
वो 'खलनायक' फिल्म का सुपरहिट गाना है न! चोली...च
यह लड़की घूमने का मौका कभी हाथ से नहीं जाने देती!
चाहे इसके लिए सफेद झूठ बोलना पड़े!
तुझे राजस्थान के लोकगीतों की क्या समझ है, श्वेता?
है न, पापा! आजकल फिल्मों में राजस्थानी गानें बहुत पॉपुलर हो रहे हैं।
ठीक है... ठीक है! समझ गया!
चल, तू भी अपने कपड़े रख ले!
अच्छा बनाया है पापा को! लेकिन पापा भी हमसे कुछ छिपा रहे हैं!
मामला गड़बड़ लगता है, चंडिका वाली ड्रेस भी पैक करनी पड़ेगी।

यह तो ध्रुव भी समझ गया था, कि आई. जी. राजन कुछ छिपा रहे हैं
लेकिन अब इसको स्थिति की भयानकता का एहसास हो रहा था।
यानि इसके साथ और भी जासूस होंगे
दूसरी तरफ–
पोखरन में–
परमाणु परीक्षण स्थल से थोड़ी ही दूर पर –
हलाला वाले, हमारे पास परमाणु यंत्र की डिज़ाइन के सारे डिटेल्स आ चुके हैं
अभी थोड़ी देर पहले हलाला जी का मैसेज आया था...
कि परमाणु परीक्षण आधे घंटे बाद होगा.
हमको इससे पहले ही यहां से निकल लेना चाहिए

हमको इसका परमाणु यंत्र खराब कर देना है, ताकि धमाका हो ही न सके.
हम वहाँ तक पहुँचेंगे कैसे?
मुझे एक दिन, संयोग से इस सुरंग का पता चला था, वैसे तो यह सुरंग राजा ने हमले के वक्त भागने के लिए बनवाई थी..
...लेकिन मैंने इसको एक दूसरा इस्तेमाल किया है मैंने इस सुरंग के बीच में से एक सुरंग और खोदा है, जो सीधे इस परमाणु यंत्र तक जाती है।
आहा, गुफा के ऊपर कोई है.
वह किला कौन है मेजर सिंह?

क्या?
क्योंकि इस किले के अंदर से अजीब अजीब आवाजें और रोशनियां आती हैं. लोग कहते हैं कि इस किले के अंदर भूत नाचते हैं!
ओऽऽऽ भूत!! यहां पर भूत हैं! चलो, रौनक सिंह!
वर्ना मैं तो यहीं पर बेहोश हो जाऊंगी
रुको, चिड़िया! डरो मत!
चंडिका!!
हवेली को परमाणु परीक्षण की कोई जानकारी नहीं थी।
चारों तरफ कड़ी सुरक्षा का घेरा है, सर!
चिड़िया भी इधर 'पर' नहीं मार सकती
मैं तीसरी जमात फेल ही सही, लेकिन डिजाइन देखकर खराबी पैदा करने में मैं माहिर हूं

बिजली खत्म हो रही थी-
उंगली बटन पर दबी-
यह कोई नहीं जानता था-
लेकिन यहां पर इसे सुलझाने वाला कौन था?
कोई भी नहीं?

क्या परमाणु यंत्र के साथ कुछ छेड़खानी हुई है?
इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।
यानि किसी ने हमारा सीक्रेट पता लगा लिया है
मेजर, उस जासूस का पता चलने तक पूरे इलाके को सील कर दो।
यानि इस इलाके का बाहरी दुनिया से संपर्क काट दिया जाए?
बाबा खान बहुत खुश था।
काम हो गया है, चीफ.
वेरी गुड, खान.
अब तुम जल्दी से जल्दी वापस अपने डेरा आ जाओ।
लेकिन आने से पहले, अपने रहने की जगह पर से सारे सबूत मिटा कर ही आना यह मेरा हुकम है
जी आज्ञा, चीफ.
चलो, साथियो, गुफा से अपने रहने के सारे सबूत नष्ट कर आएं।
रात का अंधेरा पूरी तरह से घिर चुका है अब जरा किले की पास से
...और कुछ प्रेतों से मुलाकात की जाए

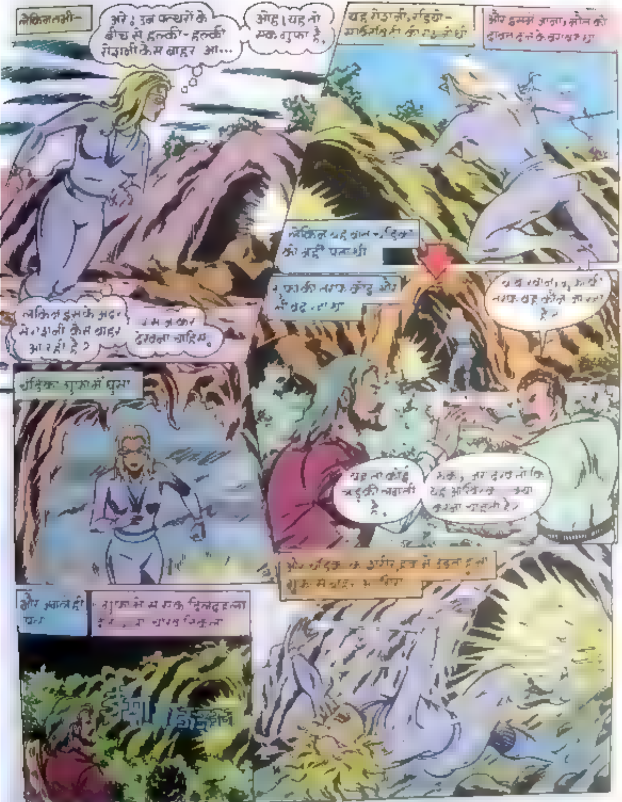
लेकिन तभी–
अरे! इन पत्थरों के बीच से हल्की-हल्की रोशनी कैसे बाहर आ...
ओह! यह तो एक गुफा है.
लेकिन इसके अंदर से रोशनी कैसे बाहर आ रही है?
देखना चाहिए.

जासूसों के सिर पर अगर असली बाल होते तो जरूर खड़े हो जाते –
यार, रेडियो-एक्टिविटी का असर तो बहुत खतरनाक होता है।
घबराओ मत!
कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा
चंद्रिका की चीख से कई लोगों को घटनास्थल पर
क्या हुआ?
आई॰ जी॰ राजन को भी
अरे, यह तो चंद्रिका है।
मैं इसे अच्छी तरह से जानता हूं।
यह कोई जासूस नहीं है।
आह, लेकिन मुझे तो इसका पहनावा जासूसों जैसा ही लगता है।
और आप इसको जानते हैं?
आई एम सॉरी, मिस्टर राजन
लेकिन जब तक यह लड़की होश में आकर बयान न दे दे, तब तक आप यह इलाका छोड़कर नहीं जाएंगे।
इस लड़की को अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम करिए
राजन मेहरा पलभर में स्थिति समझ गया।
आई॰ जी॰ राजन॰ डाक के दायरे में

ध्रुव भी पोस्टरन पहुंच चुका था
ओह ! राजनगर के एटॉमिक रिसर्च सेंटर में एक जासूस पाया गया.
यानि यह षड्यंत्र काफी पहले से चल रहा था
हां, सर.
मैं समझ रहा हूं। लेकिन फिर भी, जासूसों के पकड़े जाने तक मैं किसी को भी यहां से जाने नहीं दूंगा
अस्पताल में~
इस लड़की की तबियत कैसी है, डॉक्टर ?
आश्चर्यजनक, ऐसा केस मैंने पहले कभी भी नहीं देखा!
और आप यहां पर सेना के सबसे बड़े अफसर हैं
यह लड़की 'कोमा' में है। यानि गहरी बेहोशी की अवस्था में
लेकिन इसके शरीर में 'रेडियो' सक्रियता है, और इसकी पोशाक तथा मास्क इसके शरीर से खाल की तरह चिपक गए हैं।
यह उस गुफा में घुसी थी.

यह तो तभी पता चलेगा, जब हम गुफा की रेडियो सक्रियता खत्म करके इसके अन्दर घुस पाएंगे।
शायद चंद्रिका की पोशाक, इसी रेडियो सक्रियता के कारण इसके शरीर से चिपक गई है।
ध्रुव!
तुम यहां पर?
हां, पापा!
और फिर- ध्रुव, आई. जी. राजन को पूरा घटनाक्रम सुनाता चला गया
ओह, अब सारी बातें समझ में आ रही हैं।
लेकिन कुबेला कहां है, कहीं नज़र नहीं आ रही है?
खाखा खान, अभी रेडियो से खबर आई थी.
राजनगर के परमाणविक रिसर्च सेंटर में एक जासूस पकड़ा गया, और मारा गया
ओह! यह जरूर नवाज़ी ही होगा!
लेकिन उसको पकड़ा किसने?
किसी सुपर कमांडो ध्रुव ने।
परमाणु परीक्षण में गड़बड़ तो जासूसों ने ही की है,
उस वीरान किले की खिड़की में से रोशनी छनकर बाहर कैसे आ रही है?
यानि कोई किले के अन्दर है।

इसकी जाँच पड़ताल करनी ही पड़ेगी।
लेकिन इस वक्त भी ध्रुव पर नज़रें गड़ी हुई थीं
यह कौन है?
अरे! यह तो वही लड़का है
इसकी फोटो मैं अखबारों में कई बार देख चुका हूँ।
लेकिन यह तो राजनगर में रहता है, यह यहाँ पर क्यों आया है?
मरने से पहले कुछ बता दिया है।
अब इसके हाथों को हमारी गर्दन तक पहुँचने में देर नहीं लगेगी
वह किले की तरफ जा रहा है। इसका पीछा करो।
किले की तरफ बढ़ते ध्रुव के पैरों के निशानों को —
इसको जल्दी से जल्दी रास्ते से हटाना होगा
इसको खत्म कर दो।
निशान मिटाने आ रहे थे।
ध्रुव की जिन्दगी को भी मिटा देना

ओह; किले और झाड़ी के बीच में साफ पानी का एक नाला भी है। गहराई में होने के कारण दूर से यह नजर नहीं आता है.
मुझे इस नाले को संभल कर पार करना होगा.
और इसको जासूसों की नजर से छिपा लिया.
और इस ने मुझे यहीं पर अटका दिया.
अरे, कहां गया?
अभी तो यहीं पर था,
मैं इधर देखता हूं.

उ... सुपर कमांडो ध्रुव!
तुम समझते हो कि तुम मेरा पीछा करोगे, और मुझे पता नहीं चलेगा?
बोल, मेरा पीछा क्यों कर रहा था?
कौन है तू?
मैं तेरी मौत हूं, लड़के.
ध्रुव को संभलने का मौका नहीं दिया।
लोहे का दस्ताना तेज़ी से, ध्रुव के शरीर से टकराने लगा

ध्रुव ने पलट कर वार किया–
और आश्चर्यचकित रह गया–
स्टील की खोपड़ी पर विग!
यानि तुम ही वह जासूस हो जिसकी मुझे तलाश है।
अगर तू 'स्टील की खोपड़ी' के बारे में जानता है, तो यह भी जानता होगा कि हम लोगों को दर्द का अहसास नहीं होता है।
और हम लोग बंदूक कभी इस्तेमाल नहीं करते, क्योंकि वे बहुत शोर करती हैं।
हम चुपचाप काम करने में यकीन रखते हैं और यह 'ब्लो पाइप' हमें बहुत शांति देता है।

तुम कब तक बचोगे, ध्रुव?
पानी के अन्दर भी घुस जाओगे, तब भी मेरी जहरीली सुइयों से बच नहीं पाओगे।
... और इस हमले में मेरा हथियार होगा...
इसकी पोशाक का फटा कपड़ा.
यह सही कह रहा है। बचने से कुछ हासिल नहीं होगा...
तुमको दर्द का अहसास तो नहीं होता है.
तुम्हारे बदन में घुस कर तुमको मरने का अहसास जरूर दिला देंगी।

और ध्रुव ने जासूसों की आश्चर्यजनक फुर्ती का एक नमूना और देखा।
अब जासूसों को ध्रुव की फुर्ती का नमूना देखना था
और ध्रुव एक बार फिर कटार से बचने के लिए हटा –
ध्रुव का शरीर था।

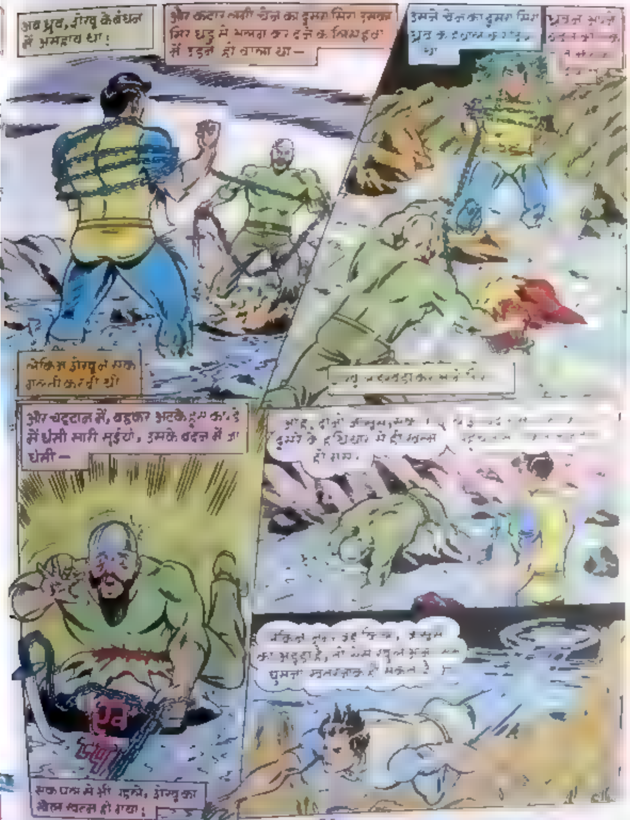
अब ध्रुव, डोग्गू के बंधन में असहाय था।
एक पल से भी पहले, डोग्गू का खेल खत्म हो गया।

इस किले में कोई कुआँ या बावड़ी जरूर होगी।
जिसमें इस नाले का पानी भूमिगत रास्ते से होकर पहुँचता होगा।
ध्रुव का ख्याल सही था
मैं इस रास्ते से किले के अंदर चुपचाप पहुँच सकता हूँ।
और अगर मैं गलती नहीं कर रहा तो यह रास्ता किले की तरफ ही जा रहा है
एक भयानक सन्नाटा पूरे किले को घेरे हुए था

ध्रुव कुछ पलों तक भौंचक्का सा खड़ा रहा
कमरे में कोई नहीं था
और फिर- एकाएक-
हमला शुरू हो गया।
ध्रुव ने हमलावरों को दूर भगाने की पूरी कोशिश की-
और जल्दी ही - ध्रुव का बदन, चमगादड़ों से ढका हुआ था
वह कुछ सोचता, इससे पहले ही एक आवाज ने उसका ध्यान खींच लिया
कमरे में आई-

ओह! तो मेरा शक ठीक निकला कि इस किले में कोई रहता है.
और वह दुश्मन देश के जासूसों के अलावा और कोई नहीं हो सकता.
इसीलिए शायद तुम्हारे आदमी मुझे इस किले तक पहुँचने से पहले खत्म कर देना चाहते थे
चोगे के अंदर से उठती हँसी, किसी का भी खून पानी कर देने के लिए काफी थी।
हा हा हा हा
जासूस
जासूसी करने तो तू आया है, लड़के! क्योंकि इस किले में घुसने वाला, जिंदा आदमी तू है.
मुझे अभी एक भीषण शैतानी ताकत का सामना करने की तैयारी करनी है। जिसने अपना खूनी खेल खेलना शुरू कर दिया है!
और तुझे भी शायद उसी शैतानी ताकत ने भेजा है!
और ध्रुव के पूरे बदन में कई दांत गड़ने शुरू हो गए
आह! ये मज़ाक नहीं कर रहा है!

ये तादाद में इतने ज्यादा हैं, कि इनको हाथ से हटाना संभव नहीं है. आह!
इन्होंने मेरा रक्त पीना शुरू कर दिया है.
जब तक मैं इनको हटाने का रास्ता सोच पाऊंगा, तब तक ये मेरे बदन का पूरा खून...
वाह, मिल गया रास्ता!
मेरे बदन के कपड़े अब तक गीले हैं!
ये मेरे शरीर को तो झुलसने से बचा लेंगे, लेकिन इन चमगादड़ों को कौन बचाएगा?
आग की झुलसन का आभास होते ही चमगादड़ों ने ध्रुव के शरीर को छोड़ना शुरू कर दिया।
नहीं रोक सकते।
चेहरा देखना चाहता हूं,
सरदार

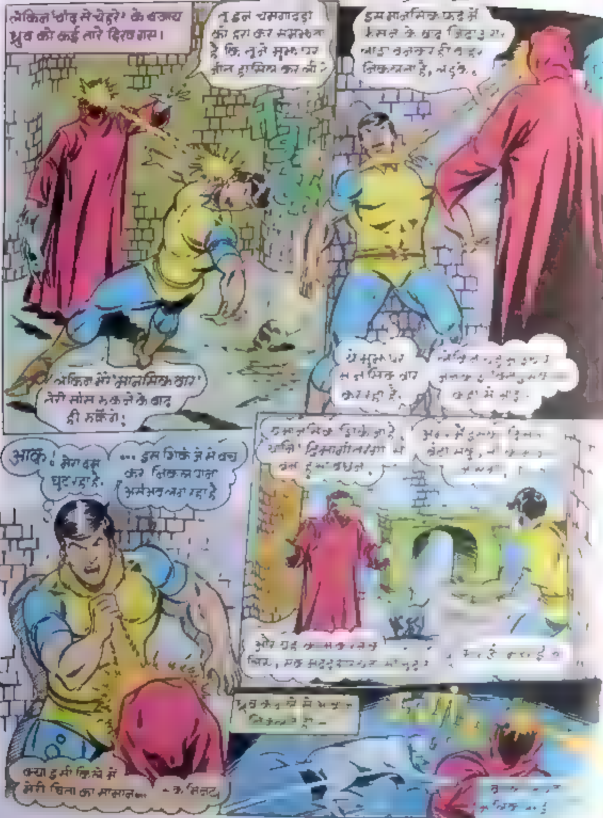
लेकिन 'चाँद से चेहरे' के बजाय ध्रुव को कई तारे दिख गए।
लेकिन मेरे 'मानसिक वार' तेरी साँस रुकने के बाद ही रुकेंगे!
आक! मेरा दम घुट रहा है.
...इस शिकंजे से बच कर निकल पाना असंभव लग रहा है

और मानसिक बंधन टूट गया –
इस बार ध्रुव ने, उस रहस्यमय आकृति को संभलने का मौका नहीं दिया –
अब बता! कौन है तू?
परमाणु यंत्र में खराबी तूने कैसे पैदा की थी?
जवाब में उस आकृति का हाथ घूमा –
और, जलती खोपड़ी में कुछ जा गिरा
एक गन्दा धुआँ, कमरे को तेजी से अपनी आगोश में लेने लगा –
और साथ ही साथ – ध्रुव का दिमाग भी अंधेरे में डूबने लगा –
अब उस रहस्यमय आकृति और ध्रुव की जान के बीच में कोई रुकावट नहीं थी

अगले दिन का सूरज– अपने साथ कई नई खबरें लेकर आया–
परमाणु परीक्षण के कंट्रोल सेंटर में–
मेरा शक सही था, जनरल सर! परमाणु यंत्र के साथ छेड़खानी की गई है।
और छेड़खानी करने वालों को परमाणु यंत्र की डिजाइन का हर डिटेल मालूम था
एटॉमिक रिसर्च सेंटर
यानि परमाणु यंत्र के डिजाइन जासूसों के हाथ लग चुके हैं?
हमने गुफा की रेडियो-एक्टिविटी को दूर करने के लिए रूमानिया से मशहूर परमाणु विशेषज्ञ डॉक्टर 'सटन' को बुलाया है
जब गुफा से रेडियो किरणें दूर हो जायेंगी, तब उसमें घुसकर असली बात का पता लगा सकेंगे
इस गुफा से फैली रेडियो-एक्टिविटी के बारे में आप का क्या ख्याल है–
परमाणु परीक्षण और इस गुफा का कोई गहरा सम्बंध है, जनरल!
और अस्पताल में–
चंद्रिका कैसी है, डॉक्टर?
अभी रूमानिया से प्रसिद्ध परमाणु विशेषज्ञ, डॉक्टर सटन को बुलाया है वे चंद्रिका का चेकअप भी...
डॉक्टर, कोई डॉक्टर सटन आपसे मिलना चाहते हैं।
ओह, डॉक्टर सटन आ भी गए।
स्वागत है, डॉक्टर सटन, हमारे देश में पहली बार आने पर आपका हार्दिक स्वागत है।

लेकिन आप चिन्ता न करें, मैं अपने पूरे साजो-सामान के साथ यहां आया हूं
अब मुझे बताइए कि समस्या क्या है, और कहां पर है?
पता नहीं ध्रुव जिंदा है या मर गया.
और डोरबू ने ध्रुव का काम तमाम करके, उसकी लाश को ठिकाने लगा दिया
पाने वाली डायरी खो गई तो मुश्किल हो जाएगी।

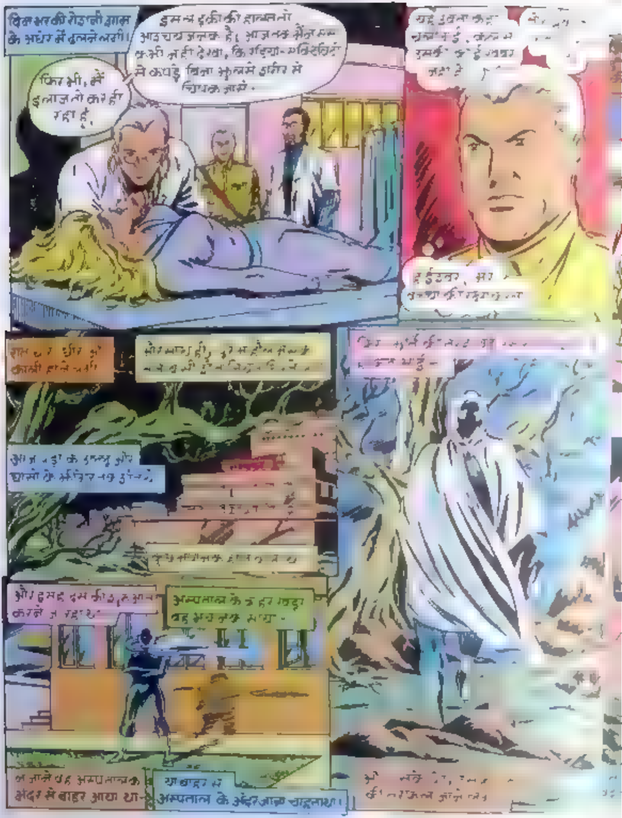
फिर भी, मैं इलाज तो कर ही रहा हूं.
अंदर से बाहर आया था-

सुपर कमांडो ध्रुव।
बदलने की कोई कोशिश नहीं की

वह आदमी...
...हर गुज़रते पल के साथ...

यह क्या है,
बाबारवान बचाओ।

पेशावरी की गर्दन पर
दो दांत आ गड़े।
और साथ ही साथ इसके चेहरे
पर भी दहशत के भाव
उभरने लगे।
धुम! धुम!
चाहे इस फैसले
का अंजाम हो
... उसकी मौत
एक ही वार में ध्रुव का पूरा
शरीर झनझना गया—

आह!
लेकिन यह आखिर है कौन?

और 'बाखा' के खून पीने की इच्छा एकाएक समाप्त हो गई
लेकिन मैं तुम दोनों को ही यहां से जाने नहीं दूंगा
?
वह फुर्ती से एक तरफ हटा
ध्रुव की आंखें आश्चर्य से फैलती चली गईं।

ध्रुव को अपनी गलती का एहसास हो रहा था।
यह लड़की जो इसके कारण वारता के चंगुल में फंसी थी।
इसको खत्म कर दो, ध्रुव; वर्ना यह सबके लिए आफत बन जायगा
वैम्पायर ऐसे प्राणी होते हैं, जो मनुष्यों का खून पीकर युगों-युगों तक जिंदा रहते हैं।
और वे जिसका खून चूस लेते हैं, वह खुद भी 'वैम्पायर' बन जाता है
जिस मानव ने इस आदमी का खून चूसा, वह एक वैम्पायर था
और इसका खून चखकर तुमने इसे भी वैम्पायर बना दिया है।
वैम्पायर? यह क्या होता है।
अगर यह जिसका खून चखेगा, वह भी वैम्पायर बन जायगा।
इसको खत्म करने का रास्ता सोचो, ध्रुव।

लेकिन इसको तो सिर से धम लंगूर तक नहीं खत्म कर पाया।
मैं इसको कैसे खत्म करूंगा.
डॉक्टर मदन गुफा की
यह क्या, आंखों की क्या हो गया? क्या हुआ इसे?
ध्रुव का ध्यान पलभर के लिए डॉक्टर मदन पर गया।
और यहीं इसके लिए महंगा पड़ गया—

आह, इस बार तो इसने मुझे कस कर दबोचा है!
और इस लड़की के मानसिक वार, इसको सिर्फ कुछ पलों के लिए ही हिला पा रहे हैं।
अगले ही पल-ध्रुव चिल्लाया-
जितना तेज वार कर सकती हो, करो।
यह मेरा खून पीकर ही रहेगा?
तभी ध्रुव की आंखें चमक उठीं
हवा में उड़ता हुआ, 'बारबा' का शरीर गुफा के अंदर जा गिरा
बारबा की आखिरी चीख

डॉक्टर सटल, आश्चर्यचकित से ये सारा दृश्य देख रहे थे
कौन हो तुम?
यही सवाल मैं आपसे पूछना चाहता हूं.
और वह लड़की?
अरे! वह लड़की कहां गई?
ओह, वह शायद वापस चली गई.
क्या? वेम्पायर?
पहले आप बताइए कि आप कौन हैं?
मैं डॉक्टर सटल हूं।
नहीं, मैं कोई वेम्पायर नहीं हूं।

ठीक है, मैं ऐसा ही करूंगा, जैसा आप कह रहे हैं
मैं याद में आता हूं

किले का दरवाजा बन्द था,
और इसके बाद तुम किले में घुस,

अच्छा! यानि किले की गुप्त सुरंग के बीच में से, नीचे जाती एक नई सुरंग इन जासूसों ने ही खोदी है!
नई सुरंग?
हाँ! और मुझे यकीन है कि वह सुरंग परमाणु यंत्र तक जाती होगी।
खैर, वे जासूस बच कर कहाँ जायेंगे? इस वक्त तो हमारी चिंता उससे कहीं बड़ी है!
असली वैम्पायर को ढूंढने की चिंता
मगर वैम्पायर का पता चलते ही मैं तुमको बुलाऊंगा कैसे?
तुम सिर्फ मेरे बारे में सोचना.
अब मैं चलती हूं। वैम्पायर को खोजने का रास्ता तलाश करना है।
कोई बदलाव नहीं आया

चंडिका झपटी
चंडिका!
ही वैम्पायर है !!

मुर्ग ! मुर्ग !
लेकिन ध्रुव ने उसे बीच में ही रोक लिया -

आह!
ताड़!
ध्रुव के वार, पिछली बार की तरह ही बेकार साबित हो रहे थे
और उसकी मुट्ठी में मिट्टी भर गई।
आँखें हमेशा, शरीर का सबसे कोमल अंग होती हैं।

ध्रुव के बगल से एक चट्टानी घूंसा आ टकराया –
धाड़
ध्रुव.

भूर्गा के आगे बढ़े हाथ को झटकता हुआ –
लकड़ी का नुकीला सिरा उसके दिल वाली जगह पर, गहराई में जा धंसा।
लेकिन भूर्गा फिर भी खड़ा रहा
तुम्हारा सोचना गलत है, भेरी, इसको मंत्रित रस्सी से बांधने की कोशिश करो।
भेरी का कहना सही है, ध्रुव, मेरे ख्याल से इस वैम्पायर का दिल, सीने में न होकर कहीं और है
तुम इसको मंत्रित रस्सी से बांधो;
और मैं इसके दिल का पता लगाता हूं।
भेरी के सधे हाथों का फंदा भूर्गा के गले में आ फंसा
लेकिन भूर्गा का तड़पना जारी रहा
और एक पत्थर से उसका पैर टकरा गया...
रुको ध्रुव, मैं इसको बेहोशी का इंजेक्शन लगा देता हूं
इसके बाद आराम से इसके दिल वाली जगह का पता लगा लेंगे
ध्रुव के रोक पाने से पहले ही डॉक्टर सटल आगे बढ़े।

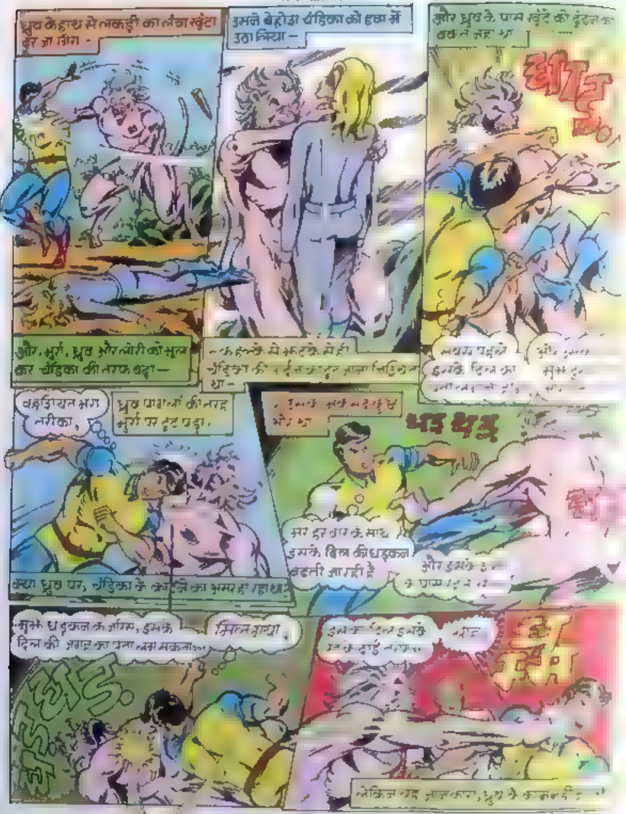
ध्रुव के हाथ से लकड़ी का लंबा खूंटा दूर जा गिरा -
उसने बेहोश चंडिका को हवा में उठा लिया -
और, भुर्रा, ध्रुव और लोरी को भूल कर चंडिका की तरफ बढ़ा -
वहशियत भरा तरीका,
ध्रुव पागलों की तरह भुर्रा पर टूट पड़ा,
धड़ धड़
इसके दिल की धड़कन बढ़ती जा रही है
क्या ध्रुव पर, चंडिका के काटने का असर हो रहा था?
मिल गया,
लेकिन यह आवाज़, ध्रुव के कानों में

बेचैनी में उसने अपना हाथ जमीन पर पटका
और उसके हाथ में उसकी किस्मत आ गई।
लकड़ी का खूंटा चट्टानों के नीचे छिपा हुआ था।
एक ही झटके से ध्रुव ने, लकड़ी का नुकीला सिरा पेट के आर-पार कर दिया –
और एक ही चीख के साथ
वैम्पायरों का अंत ऐसा ही होता है

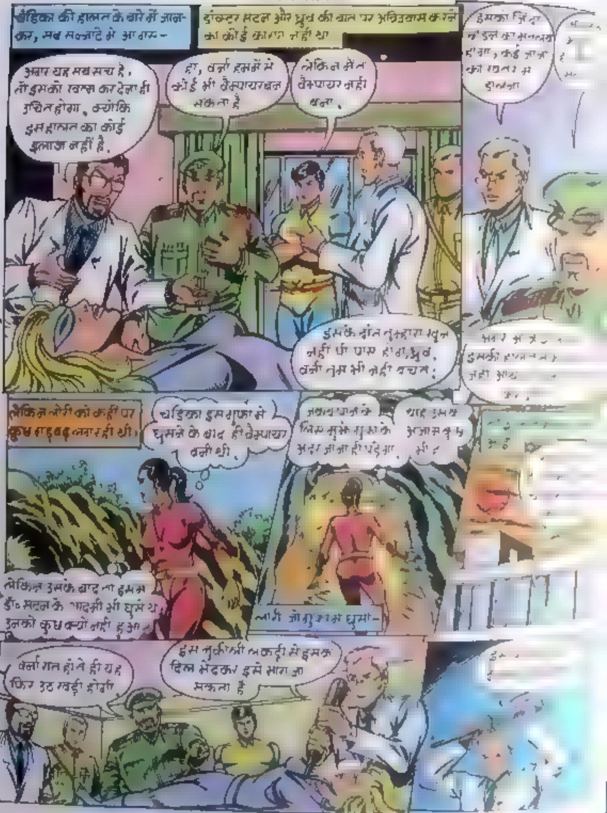
चंड्रिका की हालत के बारे में जानकर, सब सन्नाटे में आ गए –
डॉक्टर मदन और ध्रुव की बात पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं था
अगर यह सब सच है, तो इसको खत्म कर देना ही उचित होगा, क्योंकि इस हालत का कोई इलाज नहीं है.
हाँ, वर्ना हममें से कोई भी वैम्पायर बन सकता है
लेकिन मैं न वैम्पायर नहीं बना.
इसके दाँत तुम्हारा खून नहीं पी पाए थे, ध्रुव, वर्ना तुम भी नहीं बचते!
लेकिन नोरी को कहीं पर कुछ गड़बड़ लग रही थी।
चंड्रिका इस गुफा से घुसने के बाद ही वैम्पायर बनी थी.
लेकिन उसके बाद तो हमसे डॉ० मदन के आदमी भी घुसे थे इनको कुछ क्यों नहीं हुआ?
नोरी जो गुफा में घुसा –
वर्ना रात होते ही यह फिर उठ खड़ी होगी
इस नुकीली लकड़ी से इसका दिल भेदकर इसे मारा जा सकता है

लकड़ी का नुकीला सिरा नीचे गिरने से पहले ही..
डॉक्टर सटन के हाथ से दूर जा गिरा।
नहीं!
तड़.
शैतान चंडिका नहीं...
'तुम' हो डॉक्टर सटन!
या तुम्हारा कोई और नाम है?
तो तू मेरा रहस्य जान गई है।
बताती हूं। लेकिन उससे पहले इसे पकड़ना जरूरी है!
आओ, ध्रुव!
अब तू नहीं बचेगी। इस शहर का कोई इंसान नहीं बचेगा। अब सब बनेंगे... वैम्पायर!
तड़ाक
यह सब क्या हो रहा है, लोरी?
पर लोरी और ध्रुव के पहुंचने तक डॉक्टर सटन तैयार हो चुका था।
मेरे वैम्पायरों का सबसे पहला शिकार तुम दोनों बनोगे। और फिर यह पूरा शहर।
तेरे हवाई किलों को तोड़ने का उपाय मैं लेकर आई हूं, शैतान!

इस गोले में, गुफा की पॉजिटिव एनर्जी भरी हुई है!
और यह एनर्जी तुम लोगों को खाक में मिला देगी!
गोला, जमीन पर गिरते ही रोशनी का एक तेज धमाका हुआ–
और इस चमक के साथ ही गायब हो गए डॉक्टर मदन और उसके वैम्पायर।
सोरी! ये सब कहाँ गए?
इनका अंत हो गया है, ध्रुव! ये असली डॉक्टर मदन नहीं था! बल्कि उनके रूप में वैम्पायरों की टोली का मुखिया था।
असली डॉक्टर मदन को इन लोगों ने शायद, कहीं कैद कर रखा है, या मार डाला है!
ओह! पर ये यहां पर क्यों आए थे?
इस असफल परमाणु विस्फोट के कारण गुफा के अंदर एक दूसरी दुनिया का द्वार खुल गया था। ऐसी दुनिया जिसमें 'पॉजिटिव एनर्जी' वाले वैम्पायर रहते हैं।
यानि अच्छे
हाँ! ऐसा ही समझ लो!
जब चंडिका, गुफा में घुसी, तो इसका मकसद जानने के लिए, एक अच्छे वैम्पायर ने इसके शरीर पर कब्जा किया।
चंडिका की पोशाक और मास्क इसीलिए नहीं उतर रहे थे...
क्योंकि वैम्पायर ने इस पर इसी रूप में कब्जा किया था।
इस दुनिया का द्वार खुलते ही, निगेटिव एनर्जी वाले यानि, बुरे वैम्पायरों को भी, इस द्वार के खुलने की भनक लग गई थी।
गुफा को रेडियो-एक्टिविटी से मुक्त कराने की आड़ में वे इन अच्छे वैम्पायरों को या तो मार रहे थे, या कैद कर रहे थे।
क्योंकि ये अच्छी आत्माएं उनके बुरे इरादों के लिए खतरनाक थीं।
इसी बीच जोजो के वैम्पायर बनने से डॉक्टर मदन समझ गया कि एक वैम्पायर गुफा से निकल

वह जानना चाहता था कि वह वैम्पायर कौन है, ताकि उसको नष्ट किया जा सके।
और इसी बीच चंडिका, अच्छे वैम्पायर के रूप में, बुरे वैम्पायरों को उनके असली रूप में ला रही थी।
एक बात और। गुफा के अंदर एक जासूस की लाश भी पड़ी है।
और लाश के पास ही परमाणु यंत्र के नक्शे तथा एक डायरी भी पड़ी है।
चूंकि तुम वैम्पायर नहीं थे, इसलिए तुम पर उसके काटने कोई असर नहीं हुआ।
डॉक्टर मदन पर मेरा शक करने का एक कारण यह भी था कि चंडिका, सिर्फ डॉक्टर मदन के आदमियों पर ही हमला कर रही थी।
ओह! ये चीजें उसने गुफा में छुपाकर ही रखी होंगी।
लेकिन वह मरा कैसे?
गुफा के पोजिटिव वैम्पायरों ने उसे खत्म कर दिया था। वे किसी बुरी आत्मा को नहीं छोड़ते।
लेकिन अब चंडिका का क्या होगा? क्या वह ठीक नहीं हो सकती?
चंडिका तो ठीक हो भी गई होगी, ध्रुव! वैम्पायर उसका शरीर छोड़ चुका होगा।
बुरे वैम्पायरों के खत्म होते ही अच्छे वैम्पायरों का काम भी खत्म हो गया है। वे लोग वह द्वार भी बंद कर रहे हैं।
ध्रुव! ध्रुव!
यह सब क्या हो रहा है?
चंडिका अपने आप कैसे ठीक हो गई?
ओह! अजमल साहब, पापा और चंडिका!
आप को लोरी सब समझा देगी।
लोरी, जरा इनको...
अरे! लोरी कहां गई?
कौन थी वह लड़की?
मैं सब समझाता हूं, पापा!
सिर्फ लोरी और किले वाली बात नहीं बताऊंगा...
...अगर वह अपना रहस्य किसी को नहीं बताना चाहती, तो मैं भी इसमें उसी का साथ दूंगा।

और फिर—
सारा काम निपट गया! राजनगर आने की परमीशन भी मिल गई।
पापा, पापा!
पर ये श्वेता अभी तक गायब...
श्वेता, तू कहां चली गई थी? मैं कितना परेशान था!
अरे भइया? तुम यहां पर क्यों आए? ज़रूर मेरी चुगली करने आए होगे।
इसकी खूब पिटाई करो, पापा!
पिटाई क्यों? मैं तो उसी शाम वापस आ रही थी। पर पहरे पर कई नए सिपाही खड़े थे। बोले कि नाकेबंदी है। कोई अन्दर नहीं जा सकता।
ये बात तो सच है!
फिर तू अंदर कैसे आई?
मैं दो दिनों तक सिपाहियों का कान खाती रही!
बहरे हो जाने के डर से उन लोगों ने मुझे अंदर आने दिया।
झूठ! फिर सफेद झूठ!
अरे! झूठे होगे तुम! मैं क्यों झूठ बोलूंगी! मैं किसी से डरती हूं क्या?
ओहो! झगड़ना बंद करो और सामान पैक करो।
हम लोग वापस राजनगर चल रहे हैं।
ठीक है! बाकी का झगड़ा राजनगर में होगा।
मैंने कहां पर झगड़ा छोड़ा था... हां, मैं किसी से डरती हूं क्या?
सिपाही सच में बहरा हो गया होगा।
लड़ाई-झगड़े से हमेशा दूर रहना चाहिए—
इसीलिए अब हम कहानी खत्म करते हैं, यहीं पर...
समाप्त।